विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र जे. दुबे | प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

अमरावती । गुरुवार दि.२८ नवंबर से ४ दिसंबर २०२४ | पोस्टल रजि.नं. ATI/RNP/268/2021-2024 | वर्ष १५ । अंक २३ । पृष्ठ १२ । मूल्य २०रु.

BJS NATIONAL CONVENTION PUNE 2024

बाबूजी के आदर्श विचार

राष्ट्र धर्म सबसे बड़ा धर्म होता है. धर्म भी तभी तक सुरक्षित रहता है जब तक राष्ट्र सुरक्षित रहता है. हर देशवासी को राष्ट्र के प्रति समर्पित होकर काम करना चाहिए.

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

महाराष्ट्र की समृध्द संस्कृति और NATIONAL CONVENTION 2024

आपदा प्रबंधन, सामाजिक सेवा और मूल्य शिक्षा को प्राथमिकता

साक्षात्कार शांतिलाल मुथा बीजेएस को बनाया जिन्होंने मानव सेवा का स्तंभ

विदर्भ स्वाभिमान Exclusive

अमरावती-केवल और केवल अपने लिए जीने वालों की इस अजीब दुनिया में कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्हें क्रांति का नायक कहना आज के दौर में गलत नहीं होगा. ऐसे ही लोगों में शामिल है भारत में आपदा प्रबंधन, पर्यावरण सेवा और छात्रों के जीवन में मूल्य को पिरोने वाले भारतीय जैन संगठन के संस्थापक अध्यक्ष शांतिलाल मुथा. बचपन में मां का साया खोने वाले शांतिलाल मुथा ने अपना पूरा जीवन सामाजिक, पर्यावरण और मुलं आणि मूल्य विषय को समर्पित कर दिया.

विदर्भ स्वाभिमान को दिए विशेष साक्षात्कार में उन्होंने बताया कि करीबन २० साल पहले २००३ में उन्होंने मूल्य शिक्षा के महत्वपूर्ण विषय को हाथ में लिया. मूल्य शिक्षा को आधारभूत बनाने पर उन्होंने सदैव जोड़ दिया. उनके मुताबिक बाहरी माहौल आज के दौर में काफी खराब हुआ है ऐसे में इस चीज की महत्ता को उन्होंने वर्ष २००३ में ही समझा और इस दिशा में भारतीय जैन संगठन के माध्यम से कार्य आरंभ किया. उनका मानना है कि मूल्यों का जीवन में अत्यधिक महत्व होता है. मूल्य आधारित आर्थिक महासत्ता के लिए कार्य की जरूरत समझते हुए इस दिशा में उन्होंने पहली से नववीं कक्षा तक शिक्षा में मूल्य की जरूरत समझते हुए पहल की और सरकार के साथ समन्वय करते हुए इस दिशा में काम शुरू किया. इसके लिए विशेषज्ञों की टीम बनाते हुए इस दिशा में रिसर्च शुरू किया गया. इस प्रयास को राज्य सरकारों से भी समुचित सहयोग मिला. ६ साल पहले महाराष्ट्र के ६७ हजार विद्यालयों में आधारभूत मूल्य शिक्षा को शामिल किया गया. संगठन का यह प्रयास ८५ फ़ीसदी विद्यालयों में सफल रहने की जानकारी भी उन्होंने दी. राज्य के विद्यालयों से ४४ लाख छात्रों ने मूल्य वर्धन शिक्षा प्राप्त की और यह पिछले ७७ साल में सबसे सफल प्रयोग रहा.

लादे नहीं जा सकते मूल्य

भारतीय जैन संगठन को सर्वधर्म समभाव और मानवता की सेवा, आपदा के दौरान मदद, बच्चों की शिक्षा और समर्थ राष्ट्र पर आधारित बनाने वाले शांतिलाल मुथा ने कहा कि भारतीय संस्कृति महान है. लेकिन बदलते समय में जीवन मूल्य किसी पर लादे नहीं जा सकते. इस बात को ध्यान में रखते हुए संगठन ने महाराष्ट्र के अलावा गोवा, दीव दमन और और बाकी राज्यों में भी इस दिशा में पहल की है. इस साल से कुछ राज्यों के साथ मामले में समझौता भी किया गया है. उन्होंने विश्वास जींाया कि आगामी १०- १५ वर्षों में यह देश का सबसे बड़ा नया प्रकल्प

(शेष २ पर)

बच्चों में मूल्य शिक्षा जरूरी

आज दुनिया तेजी से बदल रही है. तकनीकी क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन हुआ है. जिस तरह हम कंप्यूटर लेते समय उसमें एंटीवायरस पहले लगाते हैं वर्तमान के बच्चों में भी मूल्य शिक्षा के माध्यम से यह एंटीवायरस बचपन में ही लगाया जाना जरूरी है. इससे हमारे देश की भावी पीढ़ी आदर्श और जिम्मेदार नागरिक बनेगी और राष्ट्र की प्रगति तथा भारत को फिर से विश्व महागुरु बनाने के प्रयासों में हम सफल होंगे.

नहीं लेते सरकारी निधि

संगठन के संस्थापक अध्यक्ष के मुताबिक संगठन की स्थापना से लेकर अभी तक करोड़ों रुपए के सामाजिक, मूल्य शिक्षा अभियान और जलस्तर बढ़ाने के लिए संगठन ने प्रकल्प चलाएं लेकिन किसी भी प्रकल्प में किसी भी तरह की सरकारी निधि रूपी मदद नहीं ली गई. बल्कि अपने स्वयं के बलबूते ही संगठन द्वारा यह कार्य किया गया.

आलोचना नहीं, समन्वय, सहयोग पर जोर

बातचीत में जीवन का उम्र के मुताबिक लक्ष्य तय करने वाले शांतिलाल मुथा ने कहा कि हर व्यक्ति को केवल अपने लिए ही नहीं जीना चाहिए बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी यथासंभव भूमिका निभानी चाहिए. सकारात्मक सोच और कार्य पर सदैव ध्यान देने वाले शांतिलाल मुथा ने बताया कि वे आलोचना की बजाय सदैव अपनी ओर से अच्छा करने का प्रयास करते हैं भारतीय जैन संगठन ने भी सदैव सरकार या प्रशासन की आलोचना करने की बजाय समन्वय से जनहित में कार्य करने का उसूल बना लिया था. संगठन हमेशा इसी उसूल पर चलता रहा है. पिछले ४० साल से इस पर अमल करने की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि जीवन में सकारात्मक सोच का नतीजा हमेशा चमत्कारिक होता है, किसका अनुभव उन्होंने सदैव किया है.

हम गौरवान्वित हैं

भारतीय जैन संगठन के विश्वस्त सुदर्शन जैन का प्रतिपादन

भारतीय जैन संगठन ने भारत में प्राकृतिक आपदा में मदद, बच्चों की शिक्षा और भूमि के जल स्तर बढ़ने जैसे ऐसे विषयों को हाथ लगाया, जो सर्वाधिक महत्वपूर्ण होने के बाद भी अपेक्षित रहने वाले विषयों पर संगठन ने कार्य शुरू किया. अपने कार्यों से न केवल भारत बल्कि समूचे विश्व में आदर्श सेवाभावी संगठन के रूप में इस संघटन का नाम लिया जाता है. हम जैसे व्यक्ति के लिए इस संगठन से जुड़ाव ही गौरवान्वित करने वाली बात है. इस आशय का मत भारतीय जैन संगठन के विश्वस्त सुदर्शन जैन ने किया।

भारतीय जैन संगठन के संस्थापक अध्यक्ष शांतिलालजी मुथा को सामाजिक तथा राष्ट्रीय कार्यों का आदर्श मानने वाले अभिनंदन कोऑपरेटिव बैंक के व्यवस्थापन मंडल के अध्यक्ष सुदर्शन जैन ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय संगठन जहां सरकार के साथ समन्वय कर राहत का कार्य करती है, वही छात्रों की शिक्षा और जीवन पर आदर्श संस्कार की दिशा में संगठन का प्रयास निरंतर जारी है। विगत २१ वर्षों में मूल्य आधारित शिक्षा के माध्यम से जहां ४५ लाख छात्रों को मूल्य शिक्षा की जानकारी दी गई वहीं देश में जब भी भूकंप जैसी आपदा आती है भारतीय जैन संगठन सबसे पहले मदद कार्य में जुड़ जाता है. बच्चे आदर्श होंगे तो भविष्य में वही देश के आदर्श नागरिक बनेंगे और उन पर ही कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां आकर देश की तरक्की होगी. इस विषय पर संगठन का कार्य सराहनीय है। हमें इस

(शेष २ पर)

मा.श्री. सुदर्शन गांग
विशेष संपादकीय मार्गदर्शक
9422156523

सर्वाधिक लोकप्रिय हिन्दी अखबार विदर्भ स्वाभिमान का सदस्य बनने तथा विशेषांक के लिए संपर्क करें

– सम्पर्क –
9423426199, 8855019189
9420406706
विशेष सहयोग
एवं साज सज्जा
संजय भोपाळे,
8806058697

www.vidarbhswabhiman.com

विशेष संपादकिय

सर्वसमाज के लिए काम करता है भारतीय जैन संगठन

भारत में संगठनों की कमी नहीं है. लेकिन समाज संगठनों में भारतीय जैन संगठन पहला ऐसा संगठन है, जो स्वसमाज के साथ ही सर्वसमाज की भलाई की बात करता है और काम करता है. १९८८ में सामुहिक विवाह समारोह के माध्यम से जहां संगठन द्वारा पहली बार सर्वधर्म समभाव की अलख जगाई गई थी, इस विवाह समारोह में हर समाज के वर-वधू का विवाह उनकी ही समाज की पद्धति से और करवाया गया था. बच्चों की शिक्षा पर संगठन का अत्याधिक फोकस रहता है. जिस तरह देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनाव के बाद समाज के सभी वर्गों के कल्याण को महत्व देते हैं और संसाधनों का वितरण सभी में करते हैं, जैन संगठन ने भी सदैव राष्ट्र के उत्थान को ध्यान में रखते हुए काम किया है. इसका काम भी राष्ट्रीय स्तर पर होने के साथ ही संगठन ने दूरंदेशी सोच के साथ काम किया है. चाहे फिल बालक शिक्षा और मूल्यवर्धन शिक्षा का विषय हो, चाहे आत्महत्याग्रस्त किसानों के बच्चों को बेहतरीन शिक्षा दिलाने का विषय हो, विश्व के समक्ष गंभीर समस्या पैदा करने वाले जलस्तर पर तो इसके काम की सराहना महान उद्योगपति रतन टाटा ने की. इतना ही नहीं तो इस कार्य में जिस तरह का योगदान उन्होंने दिया, वह निश्चित तौर पर इस संगठन की पारदर्शी कार्यप्रणाली और महत्ता को दर्शाता है. संगठन को गांव के बच्चों की शिक्षा का मामला सता रहा था. भारतीय जैन संगठन द्वारा यहां लोगों को दिए गए भोजन की गुणवत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिका के राजदूत ने जब इस भोजन का स्वाद चखा तो उसने यह कहा कि इस तरह का भोजन अमेरिकी राष्ट्रपति के व्हाइट हाउस में भी नहीं बनता है. भूकंप के समय महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शरद पवार थे. छात्रों की शिक्षा का मामला उनके समक्ष आने के बाद उन्होंने भी हरसंभव सहयोग किया.पुणे में होने वाला अधिवेशन निश्चित तौर पर राष्ट्र उत्थान के कार्य में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. संगठन के समर्पित पदाधिकारी, स्वयंसेवक निश्चित ही मानवता और सामाजिक सेवा को जो दीपक अहर्निश जलाए हुए हैं, वह निश्चित ही समाज के साथ ही राष्ट्र को भी समृद्ध करने में भूमिका निभाएगा.

भारतीय जैन संगठन बच्चों के भविष्य को अत्यधिक महत्व देता है. किल्लारी में भूकंप के बाद यहां से १२०० बच्चों को शिक्षा के लिए पुणे ले जाया गया लेकिन तब तक संगठन के पास न तो स्कूल इमारत थी और न ही किसी तरह का इंतजाम. लेकिन दो दिनों के भीतर यह व्यवस्था करने का चमत्कारी विजन केवल उनका ही हो सकता है. पहले कोई माता-पिता तैयार नहीं थे इसके चलते क्षेत्र में ही अस्थाई स्कूल खोलकर बच्चों को पढ़ाने का कार्य शुरु किया गया. संगठन के कार्य को देखकर माता-पिता का विश्वास हासिल करने में सफलता मिली.बच्चों को ले जाने के लिए मुख्यमंत्री शरद पवार ने एसटी महामंडल की २५ एसटी बसों की व्यवस्था कर दी. इतना ही नहीं तो तत्कालीन राज्यपाल डॉ. पी.सी. अलेक्झांडर ने भूकंप प्रभावित इन छात्रों की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. यह पल गांव के साथ ही संगठन के पदाधिकारियों के लिए भी अविस्मरणीय से कम नहीं रहा. इस कार्य में चांदवड संस्था ने सहयोग करते हुए इन सभी बच्चों को किताबें तथा अन्य शैक्षिक साहित्य उपलब्ध कराने का कार्य किया. बच्चों की शिक्षा के मामले में शांतिलालजी मुथा सदैव गंभीर रहते हैं. भूकंप के अनुभव के कारण उन्होंने इस दिशा में स्थाई समाधान की दिशा में प्रयास शुरु किया.भारतीय जैन संगठन के कार्य से प्रभावित होकर महाराष्ट्र सरकार द्वारा पुणे के डेक्कन कॉलेज के पास ३ एकड़ सरकारी जमीन भारतीय जैन संगठन को देने का फैसला किया. लेकिन शांतिलालजी मुथा ने इसे लेने से इनकार कर दिया.बच्चों के भविष्य को राष्ट्र के भविष्य से जोड़ने के साथ ही मानवता की सेवा और आपसी प्रेम, भाईचारा तथा सद्भावना बढ़ाने का काम भी भारतीय जैन संगठन द्वारा किया जाता है. अमरावती जिले के आदिवासी मेलघाट क्षेत्र में कुपोषण के कारण हजारों बच्चों की मौत को भी भारतीय जैन संगठन ने गंभीरता से लिया.१९९७ में यह मामला जब मुथाजी के सामने आया, उन्होंने इस मामले को गँभीरता से लेते हुए मेलघाट के ८० गांव में अपनी टीम भेज कर यहां की समस्या का अध्ययन किया. तत्कालीन प्रकल्प अधिकारी गणपति गरड का अपार सहयोग संगठन के इस मानवसेवी कार्य को मिला. साथ ही कस्तूरबा ट्रस्ट की सचिव शांताबाई चव्हाण का भी इस कार्य में सहयोग मिला. ९ अगस्त १९९७ को अगस्त क्रांति दिन को मेलघाट क्षेत्र के सैकड़ों बच्चों का जीवन संवारने का कार्य करने का तय किया गया. इस समारोह को प्रकाशित करने के लिए अमरावती मीडिया जगत के अधिकतर संपादक उपस्थित रहे. अगस्त क्रांति दिन पर शांतिलाल मुथा दम्पति बडनेरा में पहुंचे, यहां स्थानीय पदाधिकारियों द्वारा सर्वधर्म समभाव के साथ उनका शानदार सत्कार किया गया.यहां से कई बसों में ५०० के करीब आदिवासी बच्चों को लेकर गाड़ियां जब रवाना हुई तो उस समय सभी इस संगठन पर गर्व कर रहे थे. भारतीय जैन संगठन का मानवता का कार्य न केवल समाज बल्कि सभी भारतीयों को प्रभावित करने वाला रहा. मेलघाट के इतिहास में आदिवासी बच्चों की तरक्की के लिए इतना बड़ा और व्यापक कार्य अन्य किसी संगठन द्वारा नहीं किया गया. संगठन ने मानवता के साथ ही राष्ट्र को शक्तिशाली बनाने के लिए हर उस बच्चे के जीवन को प्रगति की धारा में योग्यता से साबित करने के लिए अपना अहम योगदान दिया है. यही कारण है कि आज भारत के समाजसेवी संगठनों में इसे सिरमौर के रूप में माना जाता है. संगठन को इस कार्य में बड़े पैमाने पर लोगों का साथ भी मिलता है. कोई भी पहल करने के लिए अच्छी भावना का होना जरूरी रहता है, इस संगठन ने सदैव नि:स्वार्थ भाव से काम करने का प्रयास किया और लोगों का अपार प्रेम मिला है.

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है. मोबाइल नंबर ९४२३४२६१९९/८८५५०१९१८९.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों, कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.
संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्म्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.
e-mail :vidarbhswabhiman@gmail.com | www.vidarbhswabhiman.com

सेवा परमो धर्म का स्तंभ है भारतीय जैन संगठन

आपदा राहत कार्य
संगठन ने विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत कार्यों में सक्रिय भागीदारी की है। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री, चिकित्सा सहायता और पुनर्वास का प्रबंध किया जाता है।

पर्यावरण संरक्षण
इस अभियान के तहत, पूरे देश में २ लाख से अधिक वृक्ष लगाए गए। स्वच्छता अभियान के तहत अभियान शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में आयोजित होते हैं, और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाते हैं।

श्वेता दुबे
अमरावती

जीवन में जो लोग कुछ हट कर करने की चाहत रखते हैं,ऐसे लोगों की मदद के लिए प्रकृति और भगवान भी सदैव सहयोगी बन जाते हैं. ऐसे ही लोगों में नाम लिया जा सकता है भारत के जाने-माने भवन निर्माता और भारतीय जैन संगठन के माध्यम से सेवाभाव का अर्थ बदलने वाले शांतिलाल मुथाजी का. मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि जीवन में परमार्थ क्या होता है, इसे किस तरह किया जा सकता है, समाज के ऐसे जरूरतमंद वर्गों के लिए किस तरह से काम किया जा सकता है, जिससे उनका जीवन भी खुशहाल हो, इसके आदर्श उदाहरण भारतीय जैन संगठन और इसके प्रमुख हैं. अभी तक कई भूकंप में बर्बाद हुए परिवारों को संभालने वाले और आदिवासी बच्चों को डॉक्टर और इंजीनियर बनाने का कार्य भारतीय जैन संगठन के माध्यम से किया जा चुका है और यह सिलसिला अभी भी चल रहा है.१९८५ में भारतीय जैन संगठन की स्थापना हुई. संस्थापक मुथाजी के जीवन पर आधारित दो किताबें उद्यमशील समाजव्रती तथा ब्लेस टू सर्व किताब का अध्ययन अगर कोई व्यक्ति कर ले तो उस व्यक्ति का पूरा जीवन बदला जा सकता है. कहते हैं जीवन में जहां चाह हो, शुद्ध भावना हो, वहां कोई काम असफल नहीं हो सकता है. इस बात को भारतीय जैन संगठन के संस्थापक ने साबित किया है. जन्म के ६ माह में मां का देहांत होने के बाद पिता की गरीब आर्थिक स्थिति में पढ़ाई करते हुए स्वयं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने और इसके बाद जीवन ऐसे वर्गों के लिए समपिर्त कर दिया,जिन्हें सचमुच उनकी जरूरत थी. गांव में जहां मेला लगता था, वहां उनके पिता बैलगाड़ी पर किराना दुकान सजा कर व्यवसाय करते थे.

लक्ष्य को समर्पित व्यक्ति हैं मुथाजी

डोंगरकिन्ही नामक छोटे से गांव में अफलातून व्यक्तित्व के धनी शांतिलालजी मुथा का जन्म हुआ. गांव में अनगिनत समस्याएं थी, इतना ही नहीं तो वाहन पहुंचने जैसी व्यवस्था भी नहीं थी. लेकिन उन्होंने गांव के विकास की कायापलट इस तरह की कि आज इस गांव में हेलीकाप्टर भी उतर सकता है. दिन-रात एक कर जब उन्होंने भवन निर्माण क्षेत्र में न केवल महाराष्ट्र बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर नाम कमाया और पहली बार अपने गांव में हेलीकॉप्टर से जाने की इच्छा हुई. समाजसेवा का उन्हें आदर्श मानने वाले सुदर्शन गांग बताते हैं कि भारतीय जैन संगठन से जुड़ने के बाद उनके जीवन का उद्देश्य ही बदल गया. १९९३ में इस संगठन ने भूकंप में अपने माता-पिता खोने वाले १००० बच्चों को गोद लिया और उनके सर्वांगीण विकास का बीड़ा उठाया.
इन बच्चों को पढ़ाने लिखाने के अलावा उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने का भी प्रयास किया गया. १९९७ से भारतीय जैन संगठन का काम व्यापक स्तर पर शुरु हुआ. महाराष्ट्र में सामुहिक विवाह तथा परिचय सम्मेलन शुरु करने की पहल उन्होंने की. पहले छोटे-मोटे आयोजनों के बाद पहली बार ६२५ जोड़ों का सामुहिक विवाह उनकी अगुवाई में कराया गया.

अमरावती में पहली मुलाकात

१९९१ में अमरावती में शांतिलाल मुथाजी का अमरावती दौरा हुआ, उस समय वे भी उन्हें सुनने गए थे. मराठी में उनका सटीक मार्गदर्शन उन पर छा गया. उनका मार्गदर्शन इतना प्रेरणादाई था कि जीवन की दिशा बदल गई. अमरावती के अचलपुर निवासी हुकुमचंद डागा को उन्होंने भारतीय जैन संगठन का प्रदेशाध्यक्ष बनाया. उनके कामों को जानने के कारण सीधे प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी सुदर्शन गांग को सौंपी गई. उस समय बडनेरा जूनियर चेंबर के सचिव के रूप में उनका सामाजिक कार्य शुरु हुआ था. १९८३ में जूनियर जेसिस के माध्यम से ३०० किलोमीटर की पैदल यात्रा शांतिलालजी मुथा ने निकाली थी. भारत के बिल्डरों के प्रमुख संगठन क्रेडाई के संस्थापक सदस्यों में वह भी हैं.अमरावती में उनके लेक्चर से प्रभावित होकर सचिव के रूप में काम शुरु कर दिया. उनके प्रेरणादायी विचारों का जीवन पर सदैव असर पड़ने के कारण ही मानवता की सेवा का दायरा भी बढ़ता गया और सोच का क्षेत्र भी बढ़ता गया.

विदर्भ अध्यक्ष की जिम्मेदारी

भारतीय जैन संगठन में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के चलते उन्हें विदर्भ की जिम्मेदारी सौंपी गई. उन्होंने भी स्वयं को फिर संगठन से पूरी तरह से सक्रिय रूप से जोड़ लिया और तन-मन-धन के साथ समर्पित भाव से काम में लग गए, इसमें उनका अत्याधिक आनंद भी आने लगा. २ फरवरी १९९७ को बडनेरा रोड के महेश भवन में संगठन का अधिवेशन हुआ. इस अधिवेशन में १०३४ लोग शामिल हुए. वर्ष २००९ में सांस्कृतिक भवन में भी भारतीय जैन संगठन का भव्य सम्मेलन लिया गया. बचपन से ही शांतिलालजी का व्यक्तित्व अकल्पनीय था. शादियों में लोगों द्वारा बड़े पैमाने पर अन्न का खराबा उन्हें काफी त्रस्त करता था. सर्वप्रथम सामूहिक विवाह तथा परिचय सम्मेलन की कल्पना उन्होंने की. इसमें अपने भाई के बेटे की शादी करने की उनकी इच्छा थी. इसी आधार पर सामूहिक विवाह के लिए उन्होंने सभी संबंधितों को बताया और लोगों ने भी इसे साथ दिया. ६०० परिवार तैयार किया लेकिन जब आयोजन की बारी आयी तो भतीजे ने इससे इंकार कर दिया. पहले से ही सच्चाई और पारदर्शिता को महत्व देने वाले शांतिलाल मुथाजी थोड़े परेशान हुए. बाद में स्थितियां कुछ ऐसी बनी कि सामुहिक विवाह कार्यक्रम लिया और इसे सफलता भी मिली. भारतीय जैन संगठन का समाज और सेवा कार्य का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा था. शादी में फिजूल खर्ची और लोगों को दिखाने के लिए कर्ज लेकर किया जाने वाला विवाह उन्हें मंजूर नहीं था. इसमें क्रांतिकारी परिवर्तन लाते हुए उन्होंने सामूहिक विवाह से पूर्व परिचय सम्मेलन की दिशा में प्रयास शु डिग्री किया. परंपरा डाली.आगे चलकर उनके द्वारा शु डिग्री किया गया यह सामाजिक प्रयास सरकार तक के लिए महत्वपूर्ण विषय हो गया.अब तो सरकार द्वारा ही सामुहिक विवाह को प्रोत्साहित किया जा रहा है.
जीवन में सफलता के लिए संघर्ष जरूरी होता है.जिस बच्चे की मां ६ माह की उम्र में गुजर गई हो और पिता की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत नहीं हो, उस बेटे ने अपने संघर्ष और सेवाभाव से वर्तमान में भारत के चुनिंदा भवन निर्माता में अपना नाम दर्ज कराने के साथ ही सेवाभाव के लिए भी अपार लोकप्रियता प्राप्त की. भूकंप में तबाह हुए परिवारों के बच्चों को पढ़ाने से लेकर उन बच्चों के रहने खाने और उच्च शिक्षा की व्यवस्था का कार्य भारतीय जैन संगठन द्वारा किया गया. गरीब बच्चों की शिक्षा को सदैव महत्व दिया. उनके जीवन को संवारने का स्थायी प्रबंध करने के लिहाज से पुणे जैसे महानगर में वाघोली के करीब २५२ से अधिक कमरों में हर जाति धर्म के गरीब बच्चों को पढ़कर उनका जीवन संवारने का कार्य भारतीय जैन संगठन ने किया. इस माध्यम से जहां राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने का काम संगठन ने किया, वहीं मानवता की सेवा यह किसी भी जाति और धर्म से ऊपर होने का आदर्श उदाहरण भी देश में प्रस्तुत किया.

पेज १ से आगे

आपदा प्रबंधन, मूल्य शिक्षा को प्राथमिकता...

होगा.

जल है तो कल है

उन्होंने बताया कि बच्चों पर आदर्श संस्कार और जीवन मूल्य पर २१ साल तक कार्य करने और इसका बेहतरीन परिणाम सामने आने के बाद वर्तमान की सबसे गंभीर समस्या पर उन्होंने ध्यान आकर्षित किया. २०१३ में भूजल स्तर घटने पर संगठन ने काम शुरू किया. उनके मुताबिक भविष्य में जल को लेकर विश्व युद्ध होने की चर्चाओं के बीच ११ साल के इस क्षेत्र में कार्य के दौरान भारत के १०० जिलों में जल स्तर पर काम शुरू किया गया. वे बताते हैं कि बगैर जल के जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है ऐसे में इस विषय पर अत्यधिक गौर किया जाना जरूरी समझते हुए संगठन ने कार्य शुरू किया. शांतिलाल मुथा ने कहा कि जो बड़े बांध हो गए हैं वह हो गए हैं लेकिन अब बड़े बांध बनाना आसान नहीं रह गया है. पानी की कमी के कारण किसानों की आत्महत्या में वृद्धि हुई है. संगठन में भूजल स्तर बढ़ाने के साथी पाणी अडवा, पाणी जिरवा पर गंभीरता से काम शुरू किया. बारिश का लाखों लीटर पानी व्यर्थ जाता है इस पानी को एकत्रित करने और जमीन में उसका पुनर भरण करने के महत्व पर प्रकाश डाला. कुदरत की महत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे पहले हमारे बुजुर्गों ने बिना किसी टेक्नालॉजी के पानी की महत्व समझते हुए नदी और नाले का महत्व समझा और सदैव इसको स्वच्छ रखने वाली स्थिति थी. वर्तमान में पानी के यह महत्वपूर्ण स्रोत गंदगी से खराब हो रहे हैं. बारिश का पानी जमा करने के साथ ही इन जल स्रोतों की मिट्टी का प्रयोग बेहतरीन फसल के लिए किया जा सकता है. इस दिशा में भी संगठन ने कार्य किया और उसके बेहतरीन परिणाम १०० जिले में देखे जा सकते हैं. तालाब का गाल निकाल कर खेतों में डालने पर उत्पादन में भी चमत्कारिक परिणाम दिखाई देता है. गांव से लेकर शहर तक पानी बचाने और उसकी जमीन में संचित करने की दिशा में आंदोलन की जरूरत उन्होंने जताई. संगठन के माध्यम से लोगों में जागरूकता लाने का प्रयास भी संगठन द्वारा शुरू रहने की

पेज १ से आगे

हम गौरवान्वित हैं

बात का गर्व होता है कि मानव धर्म एवं राष्ट्रधर्म को ही प्राथमिकता मानने वाले संगठन से हम जुड़े है।

किसी की आलोचना के बजाय सदैव स्वयं अच्छा करने का प्रयास करने पर जोर देने वाले सुदर्शन जैन ने कहा कि विगत कई दशकों से इस संगठन में कार्य करने का सौभाग्य मिला है, शांतिलालजी मुथा से आसमानी बुलंदी के बाद भी व्यक्ति में किस तरह की विनम्रता होनी चाहिए यह सीखा है. यही नहीं बल्कि इस संगठन से जुड़ा हर पदाधिकारी और कार्यकर्ता पूरी तरह से समाज और राष्ट्र को समर्पित कार्य करने के लिए तत्पर रहते हैं. पुणे में हो रहे राष्ट्रीय अधिवेशन में महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा एवं मार्गदर्शन होने वाला है। अधिवेशन में शामिल होने के लिए देश-विदेश से पहुंच रहे मान्यवरों का स्वागत भी उन्होंने किया।

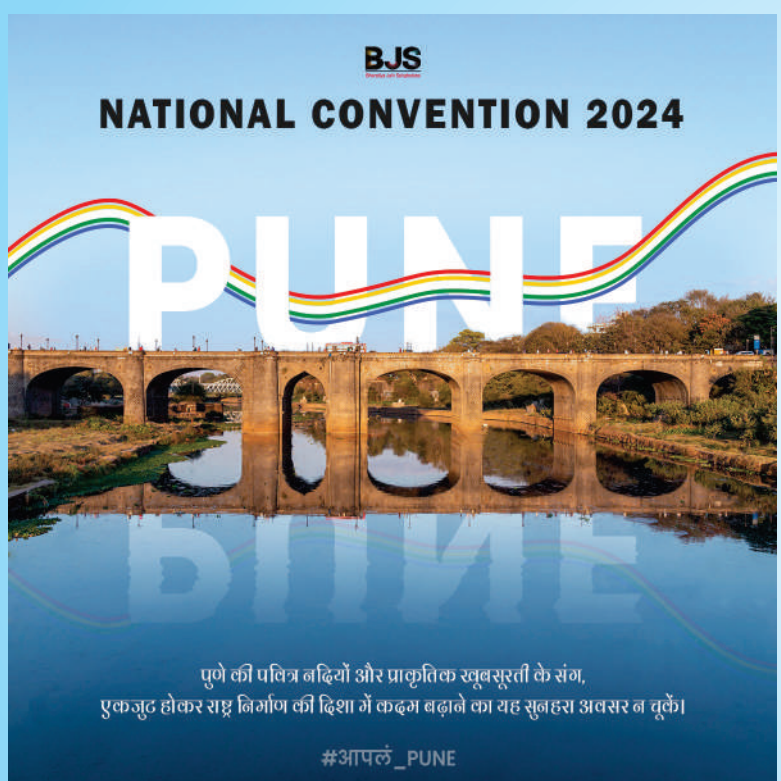

कई दिग्गजों की उपस्थिति में होगा अधिवेशन का शुभारंभ सत्र

पुणे में भारतीय जैन संगठन का राष्ट्रीय अधिवेशन ३० से

भारतीय जैन संगठन का राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन सत्र ३० नवंबर को सुबह ९:00 पूर्व रक्षा मंत्री शरद पवार, राजस्थान के राज्यपाल हरी भाऊ बागडे, गोवा के मुख्यमंत्री डॉ प्रमोद सावंत, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, फिल्म अभिनेता आमिर खान, मंत्री मुरलीधर मोहोल, लोकमत मीडिया ग्रुप के अध्यक्ष पूर्व सांसद विजय दर्डा, सांसद सुप्रिया सुले, फोर्स मोटर्स के प्रमुख डॉक्टर अभय फिरोदिया, उद्यमी वल्लभ भंसाली, गणपतराज चौधरी, विजय भंडारी, मानिकचंद ग्रुप के प्रकाश धारीवाल, राजेश मेहता, चेन राज जैन, वालचंद संचेती, विट्ठल सेठ मनियार, महावीर जैन, रविंद्र लुंकड़, भारतीय जैन संगठन के संस्थापक शांतिलाल मुथा, सरला मुथा, प्रफुल्ल पारख, राजकुमार फनावत तथा संगठन की प्रबंध संचालिका कोमल जैन प्रमुखता से उपस्थित रहेंगी. पुणे के वर्धमान संस्कृतिक भवन बिबेवाडी मैं ३० नवंबर को सुबह ९:00 बजे आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में अतिथियों का सत्कार तथा मार्गदर्शन का लाभ भी संगठन के सभी पदाधिकारी को मिलेगा. कार्यक्रम में सभी आमंत्रितों से उपस्थित रहने का आग्रह संगठन द्वारा किया गया है.

अमरावती में राज्य अध्यक्ष केतन शाह, सचिव प्रवीण पारख का सत्कार

युवाओं से संगठन से जुड़ने का किया आग्रह

अमरावती-भारतीय जैन संघटना महाराष्ट्र राज्य के वर्ष २०२५ - २०२६ के लिए नवनियुक्त राज्य अध्यक्ष केतनजी शाह (सोलापुर) एवं राज्य सचिव प्रवीणजी पारख (संभाजी नगर) का विदर्भ दौरा अंतर्गत अमरावती जिले की सभा गत दिनो स्थानीय जैन छात्रालय में हुई. सभा को संबोधित करते हुए नवनिर्वाचित राज्य अध्यक्ष केतन शाह ने समाज के युवाओं को भारतीय जैन संगठन से जुडने का आह्वान किया.

भारतीय जैन संगठन अमरावती की ओर से बीजेएस नवनिर्वाचित राज्य अध्यक्ष केतनजी शाह एवं राज्य सचिव प्रवीणजी पारख का सत्कार समारोह भी आयोजित किया गया. इस अवसर पर मंच पर भारतीय जैन संघटना शहर महिला अध्यक्ष मंजू ओस्तवाल, प्रमुख अतिथि अमृत मुथा, सुदर्शन गांग आदि मान्यवर उपस्थित रहे.

स्वागत पर संबोधन में मंजू ओस्तवाल ने अपने दो वर्षों के कार्यकाल का ब्यौरा रखा. विदर्भ पूर्व अध्यक्ष अभिनंदन पेंढारी ने प्रस्तावना में विदर्भ की गतिविधियां व क्या होना चाहिए यह बात रखी. अतिथिय सम्बोधन में केतन शाह ने राष्ट्रीय अधिवेशन जो ३० नवम्बर व १ दिसंबर को पुणे मे आयोजित होने वाला है, उसका निमंत्रण दिया तथा भविष्य में आयोजित की जाने वाली गतिविधियों के बारे में बताया. समाज के युवाओं से इस संगठन से जुड़ने का आह्वान किया. सुदर्शन गांग ने अपने विगत समय किए कार्यों के अनुभव को साझा किया. वर्धमान स्थानकवासी संघ के अध्यक्ष अमृत मुथा ने सभी अतिथियों का स्वागत व आभार व्यक्त किया.

संगठन के कार्यों को शुभकामनाएं व बधाई दी. सभा दौरान राज्य उपाध्यक्ष महेंद्रजी मंडलेचा ने इस दौरे का महत्व बताया. सभा का संचालन संघटना के वरिष्ठ पदाधिकारी प्रदीप जैन के मार्गदर्शन एवं सहयोग से संजय आचलिया ने किया. राज्य अध्यक्ष के आह्वान को मानते हुए भारतीय जैन संघटना अमरावती में समाज के युवा शुभम राजेश बोकारिया, महिला अध्यक्ष के लिए नेहा चोपड़ा एवं अमरावती जिला अध्यक्ष के रूप में मोर्शी से सावरकर को अध्यक्षों के रूप में नाम प्रस्तुत किए गए. जिसे सभा ने मंजूर किया. अतिथि केतन शाह एवं प्रवीण पारख सहित उपस्थित अन्य अतिथियों का सत्कार किया गया. इस अवसर पर सुदर्शन जैन, सुधीरभाई शाह, शुभम बोकरिया, नीतेश गांग, प्रदीप जैन, नरेश कंठालिया, धर्मेंद्र मुणोत, अमृत मुथा, मानक ओस्तवाल, सुरेश समदड़िया, प्रफुल्ल सावला, चंदू तातेड, अनिल सुराणा, इन्दर सुराणा, रुषभ बरडिया, सुदर्शन चोरडीया, कमल, नीतेश सावला, हरीश लाठिया, पारस मेहता, मीणा ओस्तवाल, कामना सावला, स्वाती आचलिया, बन्नोरेजी, सुभाष कोटेचा, सुरेश मुणोत, नेहा चोपडा, प्रकाशजी बोकरिया आदि की उपस्थिति के प्रति स्वागत व आभार व्यक्त किया गया.

विदर्भ स्वाभिमान के दिवाली विशेषांक का विमोचन ज्ञान शांति ओल्ड एज होम में किया गया. मौके पर लेडी गवर्नर डा. कमलताई गवई, ओल्ड-एज होम की संचालिका शांति ताई कोठारी,भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय ट्रस्टी और अभिनंदन बैंक के प्रबंधन परिषद अध्यक्ष सुदर्शन जी गांग, सामाजिक कार्यकर्ता धीरूभाई सांगानी, डॉ. गोविंद कासट, संपादक विजय गायकवाड, विदर्भ स्वाभिमान के संपादक सुभाष दुबे, मुख्य प्रबंधक वीणा दुबे, मार्केटिंग हेड श्वेता दुबे, वंशिका दुबे, ऋषिकेश दुबे, रितेश दुबे, ओम हातगांवकर सहित समाजसेवी पुराने चावल के रविंद्र फुकटे, नितिन सिंह राजपूत,विपिन मिश्रा और पुराने चावल संगठन के सभी पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे. मौके पर शांति ताई कोठारी का विदर्भ स्वाभिमान परिवार की ओर से सत्कार किया गया.

सामाजिक सेवा, बालक मूल्य शिक्षा, जलक्रांति के क्षेत्र में जननायक जैसा कार्य करनेवाले शांतीलाल मुथा...

आदर्श समाजसेवी, राष्ट्रसेवी संगठन है भारतीय जैन संगठन

समर्थ राष्ट्र की कल्पना को लेकर सदैव करते रहते हैं काम

अमरावती-भारत में समाज सेवा के नाम पर हजारों संगठन रहने के बीच में भारतीय जैन संगठन द्वारा किया जाने वाला कार्य न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में सराहा जाता है. गरीब बच्चों की शिक्षा, आत्महत्या प्रभावित किसानों के बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने के साथ ही इस संगठन ने अभी तक हजारों की संख्या में ऐसे आदिवासी, अनाथ बच्चों का जीवन न केवल संवारा है बल्कि इस संगठन ने उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने का कार्य किया है. भारत में आदर्श सेवा भावी तथा जल क्रांति के क्षेत्र में किया गया कार्य कभी भुलाया नहीं जा सकता है.

देश के १०० जिलों को हाथ में लेते हुए संगठन के प्रमुख ने इन जिलों में धीरे-धीरे घटता भूमिगत जलस्तर बढ़ाने के लिए जिस तरह से कार्य शुरू किया उस कार्य में भारत के सामाजिक क्षेत्र में आसमानी कार्य करने वाले उद्योगपति रतन टाटा द्वारा जिस तरह से मदद की गई और संगठन के कार्यों को प्रोत्साहित किया गया वह निश्चित ही अन्य समाज सेवी संगठनों के लिए किसी अनुकरणीय पहल से कम नहीं है.

यह संगठन भारत की आदर्श संस्कृती को बरकरार रखते हुए स्वयं को जहां अपडेट रखता है, वहीं दूसरी ओर छात्रों में मूल्य शिक्षा, पर्यावरण संतुलन में योगदान और मजबूत राष्ट्र की अवधारणा पर ही सदैव कार्य करता है. बाकी संगठनों द्वारा जहां समाज सेवा सरकार से प्राप्त निधि द्वारा की जाती है वहीं यह भारत का पहला संगठन है जो बिना किसी सरकारी मदद प्राप्त किए स्वयं के बलबूते विभिन्न सामाजिक और राष्ट्रीय कार्य कर रहा है. संगठन के पुणे में हो रहे राष्ट्रीय अधिवेशन को विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं. हम कामना करते हैं कि आज अगर देश में इसके जैसे संगठन हो जाए तो दुनिया की कोई ताकत भारत को विश्व की महासत्ता बनाने से नहीं रोक सकती.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

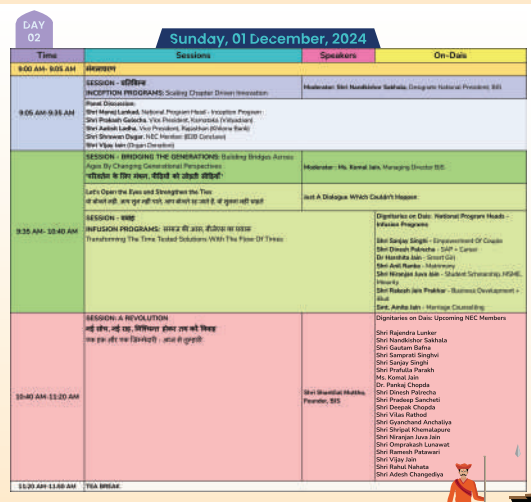

भारतीय जैन संगठन का जल है तो कल है अभियान

राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया अभियान, सर्व समाज के लोगों ने जी भरकर दिया साथ

भारत के १०० जिलों में जल स्तर बढ़ाने पर महत्वपूर्ण कार्य महाराष्ट्र के बुलढाणा सहित संगठन ने किया है. इसकी दखल केंद्र सरकार द्वारा भी ली गई है. इस कार्य में जिस तरह की पारदर्शिता संगठन द्वारा बरती गई, वह भी अपने आप में सराहनीय है. जलस्तर बढ़ाने के काम में तीन काम को एक साथ अंजाम दिया गया, इस तरह का विजन रखने वाला यह भारत का पहला संगठन भी बन गया है. भूमिगत जल स्तर बढ़ाने के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ संगठन ने जहां समन्वय स्थापित किया वहीं इस कार्य को सर्व समावेशी अभियान के रूप में महाराष्ट्र में स्थान मिला जहां भी यह कार्य हुआ उसे क्षेत्र के सभी लोगों ने इसमें सहभाग लेकर अपनी ओर से हर संभव सहयोग देने की जानकारी अभियान से करीबी से जुड़े रहने वाले सुदर्शन गांग ने दी. उन्होंने बताया कि इस अभियान में मशीनरी भारतीय जैन संगठन की थी, महाराष्ट्र सरकार ने अभियान चलाने के लिए डीजल का खर्च उठाया था और नदी नाले की सफाई से निकलने वाली गाल अपने खेत में डालने का खर्च किसानों ने उठाया था. कितने घंटे कितनी जेसीबी मशीन चली और इस पर कितना खर्च हुआ, इसका पाई-पाई का हिसाब आज भी भारतीय जैन संगठन के पास है. किसी भी संगठन की विश्वसनीयता में ईमानदारी, विश्वसनीयता का अपार महत्व होता है. संगठन ने सदैव बिना सरकारी मदद के करोड़ों रुपए के अभियान चलाए और भविष्य में भी चलाने की योजना है. जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय के अनुसार प्रत्येक ज़िले में पानी की अत्यधिक कमी वाले २ गाँवो को 'जल ग्राम' का नाम दिया गया । इस योजना के तहत अब तक पहचान किये गए ७२६ गाँवों में से १८० गाँवों के लिये समेकित जल सुरक्षा योजना तैयार कर ली गई है. इस क्षेत्र में कार्य के साथ ही इस राष्ट्रीय अभियान से महिलाओं को जोड़ने का कार्य भी संगठन द्वारा किया गया.जल ग्राम योजना के तहत संबंधित महिला पंचायत सदस्यों को जल मित्र बनने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रत्येक जल ग्राम में 'सुजलाम कार्ड' के रूप में एक जल स्वास्थ्य कार्ड तैयार किया जा रहा है जो गांव के लिये उपलब्ध पेयजल स्रोतों की गुणवत्ता के बारे में वार्षिक सूचना प्रदान करेगा किया जाता है. जल का जीवन में कितना महत्व है यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है लेकिन जिस तरह से पानी का मोल नहीं पहचानने वाली मानसिकता है ऐसे में निश्चित तौर पर आगामी समय में पैदा होने वाली समस्या को भारतीय जैन संगठन ने समझते हुए इससे बचाव के लिए विजन के साथ प्रयास शुरू किया है. इस प्रयास को सभी का साथ भी मिल रहा है. एक तरफ जहाँ भारत में जनसंख्या तेजी से बढ़ती जा रही है वहीं दूसरी तरफ देश तीव्र विकास के पथ पर अग्रसर है। अतः बढ़ती ज़रूरतों के साथ जलवायु परिवर्तन के संभावित प्रतिकूल प्रभाव के मद्देनजर जल की प्रति व्यक्ति उपलब्धता प्रति वर्ष कम होती जा रही है। जल की तेजी से बढ़ती मांग को देखते हुए अगर समय रहते इसका समाधान नहीं निकाला गया तो जल के विभिन्न स्त्रोतो एवं जल बेसिन वाले राज्यों के बीच और भी जल-विवाद देखने को मिलेगा। इसको समझते हुए भारत सरकार भी गंभीर है और उसने जल मंत्रालय का गठन भी किया है. भविष्य में जमीन का जल स्तर बढ़ने पर इस खतरनाक समस्या से राहत मिलने के विश्वास के साथ बीजेएस का कार्य अनुकरणीय है.

गडकरी ने भी सराहा था अभियान को

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अभियान की सराहना की.महाराष्ट्र में जल क्रांति पहल, जिसने बुलढाणा जैसे सूखाग्रस्त जिलों का चेहरा बदल दिया, अगर देश भर में दोहराया जाए तो न केवल किसानों का भाग्य बदल सकता है बल्कि राजमार्ग नेटवर्क को भी मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग इस संबंध में दिशा-निर्देश तैयार करेगा।

सड़क परिवहन, राजमार्ग और एमएसएमई मंत्री गडकरी के दिमाग की उपज जल क्रांति में वर्षा जल संचयन और भूजल के पुनर्भरण को सुनिश्चित करने के लिए सूखाग्रस्त क्षेत्रों में तालाबों की खुदाई या ड्रेजिंग पर जोर दिया गया है। राजमार्ग निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली रेत, जमा और कुल के बदले राजमार्ग मंत्रालय द्वारा ड्रेजिंग निशुल्क की जाती है। महाराष्ट्र के कई जिलों में जल क्रांति के बुलढाणा पैटर्न के परिणामस्वरूप उन क्षेत्रों में समृद्धि आई है जो पहले अधिकतम (अधिकतम) के लिए जाने जाते थे।

इसने सिंचाई और पीने के प्रयोजनों के लिए पर्याप्त जल उपलब्धता सुनिश्चित की है और साथ ही राजमार्ग निर्माण के लिए एनएचएआई को मिट्टी और रेत उपलब्ध करा दी गई है। नीति आयोग, परिणाम से खुश है, सभी राज्यों में इसका प्रचार करने की योजना बना रहा है। मंत्री महोदय ने कहा कि इस पहल से न केवल किसानों के भाग्य में बदलाव आ सकता है बल्कि राजमार्ग विकास को भी प्रेरणा मिल सकती है।

BJS का संकल्प
सुसंस्कृत व्यक्ति · सक्षम कुटुंब · समर्थ राष्ट्र · सुदृढ़ समाज
NATIONAL CONVENTION
PUNE 2024

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

राष्ट्रीय अधिवेशन
पुणे को हमारी
हार्दिक शुभकामनाएँ!!

- शुभेच्छुक -
अरुण कडू,
सुदर्शन गांग,
प्रदीप जैन
आनंद परिवार के
सभी सदस्य

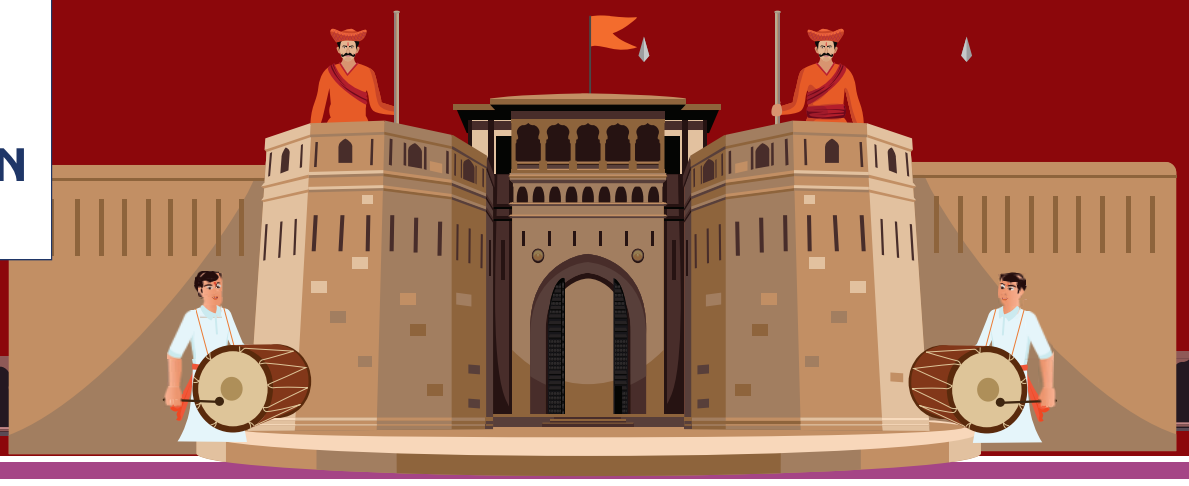

संगठन नहीं, विचारधारा और संकल्प है बीजेएस

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र लुंकड़ मानते हैं संगठन को देश का गौरव

ओमप्रकाश त्रिपाठी, २७ नवंबर

अमरावती-भारतीय जैन संगठन, संगठन नहीं बल्कि विचारधारा और संकल्प है. इसमें राष्ट्रहित और मानव हित निहित है. इस आशय का गौरवपूर्ण प्रतिपादन इस राष्ट्रीय संगठन के ६ साल तक राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में बेहतरीन कार्य करने वाले राजेंद्र लुंकड़ ने किया. साथ उन्होंने इस संगठन का नेतृत्व करने का मौका मिलने पर स्वयं को भाग्यशाली बताया.

विदर्भ स्वाभिमान को दिए गए विशेष साक्षात्कार में राजस्थान में जन्म लेने वाले और तमिलनाडु को अपना कर्म क्षेत्र बनाने वाले राजेंद्र लुंकड़ ने कहा कि संगठन ने लाखों लोगों को संवेदनशील बनाकर,संस्कार संवर्धन करते हुए बहुमूल्य जीवन को सार्थक करने का मंच उपलब्ध कराया. संगठन ने सदैव मानवता की सेवा को केंद्र में रखते हुए कार्य किया. उन्होंने बताया कि वे संगठन से पिछले १८ वर्षों से जुड़े हुए हैं और कार्य करते समय दक्षिणी राज्य से लेकर देशभर में कार्य करने का उन्हें सौभाग्य मिला. समाज सेवा से राष्ट्र सेवा और संस्कार तथा जल स्तर बढ़ाने पर संगठन के कार्यों में उन्हें भी अपना योगदान देने का मौका मिला. उन्होंने कहा कि संस्कार और जल जैसा विषय विज्ञान की क्षमता में नहीं आता है. इसे पैदा करने की

ताकत विज्ञान में भी नहीं है. जैन समाज जैसा छोटा समाज इस संगठन के माध्यम से आज मानव हित और राष्ट्रहित के लिए जो कार्य कर रहा है वह अपने आप में किसी उपलब्धि से काम नहीं है. संगठन की इस कामयाबी का श्रेय मानव सेवा तथा राष्ट्र सेवा को पूरी तरह से समर्पित रहने वाले संगठन के संस्थापक अध्यक्ष शांतिलाल मुथा तथा हजारों समर्पित कार्यकर्ताओं को दिया. उन्होंने बताया कि संगठन के पास एक लाख से अधिक समर्पित स्वयं सेवकों की टीम है जो मानव हित और पर्यावरण के कार्यों में सदैव अग्रणी रहती है.

पुणे में हो रहे संगठन के राष्ट्रीय अधिवेशन के संदेश के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा-आओ हम सब मिलकर आदर्श परिवार, आदर्श समाज और आदर्श राष्ट्र की संकल्पना स्थापित करें. कोरोना महामारी के दौरान बेहतरीन कार्य करने वाले राजेंद्र लुंकड़ ने बताया कि इस दौरान संगठन ने जहां डरे हुए लोगों को हिम्मत देने का कार्य किया वहीं इस महामारी को चुनौती के रूप में स्वीकार करते हुए ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम सहित अन्य मार्गदर्शन कार्यक्रम चलाते हुए मानव सेवा तथा राष्ट्र सेवा करने का प्रयास किया. उनके मुताबिक आदर्श संस्कारित भारत के साथ मजबूत भारत के निर्माण की दिशा में कार्य कर रहा है. उन्होंने स्वयं को भाग्यशाली बताया. साथ कहा कि भारतीय जैन संगठन के माध्यम से मानव सेवा अथवा राष्ट्र सेवा का जो मौका उन्हें मिला है, वह इसे अपना परम भाग्य मानते हैं.

जल है तो कल है-
भारतीय जैन संगठन ने सुख्यात फिल्म अभिनेता आमीर खान के पाणी फाऊंडेशन के साथ मिलकर भुजलस्तर बढाने के लिए कार्य किया. इस अभियान के एक समारोह में शांतीलाल मुथा के साथ मंच पर चोटी के उद्योगपती स्व.रतन टाटा, पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, आमीर खान, रिलायंस के प्रमुख मुकेश अंबानी और भारतीय जैन संगठन के संस्थापक प्रमुख शांतीलाल मुथा.

भारतीय जैन संगठन की राष्ट्रीय काऊंसील

Name	City	State	Mobile1	Position	Responsibilities
Nandkishor Sakhala	Nashik	Maharashtra	98220 56148	National President	
Rajendra Lunker	Ahmedabad	Gujarat	93600 25001	Imm Past President	
Goutam Bafna	Hubli	Karnataka	98440 54592	National Vice President	Initiative Growth
Samprati Singhvi	Jaipur	Rajasthan	94140 11112	National Vice President	Public Relations & Outreach
Sanjay Singhi	Raipur	Chhattisgarh	94255 01661	National Vice President	Women & Youth
Prafulla Parakh	Nagpur	Maharashtra	94221 01198	Former President	
Komal Jain	Pune	Maharashtra	98999 97419	Managing Director	
Pankaj Chopra	Raipur	Chhattisgarh	89648 99999	National General Secretary	
Dinesh Palrecha	Hospet	Karnataka	94481 26217	National Secretary	Monitaring & Implementatio
Pradeep Sancheti	Delhi	Delhi	88000 90960	National Secretary	Monitaring & Implementatio
Deepak Chopda	Nashik	Maharashtra	97304 42392	National Secretary	Coordination
Vilas Rathod	Pune	Maharashtra	88050 47007	National Head Communicat	Sadhu, ashavi & All Sampra
Gyanchand Anchaliya	Sirkazhi	Tamil Nadu	94431 53387	National Head Communicat	Sadhu, ashavi & All Sampra
Shripal Khemalapure	Belgavi	Karnataka	94481 42762	National Head Communicat	Sadhu, ashavi & All Sampra
Niranjan Juva Jain	Ahmedabad	Gujarat	94265 17658	National Head West	
Omprakash Lunawat	Bangalore	Karnataka	98453 50863	National Head South	
Ramesh Kumar Patawari	Erode	Tamil Nadu	94426 00853	National Head East	
Vijay Jain	Delhi	Delhi	98718 29910	National Head North	
Rahul Nahata	Mumbai	Maharashtra	98211 12949	National Head West	
Adesh Changediya	Ahmednagar	Maharashtra	90111 55555	National Head	Media, Social Media & Publi
Rajesh Jain Khinvasra	Delhi	Delhi	93500 41466	National Head	Foundational Program
Manoj Lunkad	Raipur	Chhattisgarh	98261 63399	National Head	Inception Program
Dinesh Palrecha	Hospet	Karnataka	94481 26217	National Head	Infusion Program SAP + Car
Sanjay Singhi	Raipur	Chhattisgarh	94255 01661	National Head	Infusion Program EoC
Harshita Jain	Surat	Gujarat	75758 05672	National Head	Infusion Program Smart Girl
Anil Ranka	Indore	Madhya Pradesh	94249 25000	National Head	Infusion Program Matrimony
Niranjan Juva Jain	Ahmedabad	Gujarat	94265 17658	National Head	Infusion Program MSME Mi
Rakesh Jain Prakhar	Indore	Madhya Pradesh	98260 35523	National Head	Infusion Program Business D
Amita Jain	Ujjain	Madhya Pradesh	99262 91911	National Head	Infusion Program Marriage C

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

शपथ का प्रारुप

मैं,----------

सत्यनिष्ठा सै प्रतिज्ञान करता हूं कि, मैं भारतीय जैन संघटन के संविधान एवं विचारधारा के प्रति सच्ची श्रध्दा और निष्ठा रखूंगा।

मैं भारतीय जैन संघटन की एकता और अखंडता अक्षुण्ण रखूंगा एव अपने कर्तव्यों का श्रध्दापूर्वक और शुध्द अंतकरण सै निर्वहन करुंगा। अनुराग या द्वेष के बिना, सर्व समाज के प्रति न्याय करुंगा। मैं अपने राष्ट्र के प्रति सदैव समर्पित रहूंगा। ऐसी मैं शपथ ग्रहण करता हूं।

सेवा कार्य से बढ़ा मान बीजेएस का सर्वत्र सम्मान

सभी को समान वितरण की खूबी ने मोदी को बनाया अपार लोकप्रिय

देश के विकास में हर व्यक्ति का योगदान जब मिलता है तो राष्ट्र तेजी से प्रगति करता है. प्रधानमंत्री की तीसरी पारी निभाने वाले नरेंद्र मोदी ने बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग को. यही कारण है कि भाजपा ने लोकसभा सहित अन्य चुनाव में भी जनता का प्रेम हासिल करने का प्रयास किया है. भारतीय जैन संगठन का कार्य भी स्व समाज के साथ सभी समाज की प्रगति को ध्यान में रखते हुए किया जाता है. चुनाव तक ही राजनीति करने और एक बार जिम्मेदारी मिलने पर पुरी समर्पित भावना से उसे निभाने और सभी को न्याय दिलाने का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है, इससे कोई इनकार नहीं कर सकता.

महाराष्ट्र में विधानसभा के चुनाव में लाडली बहनों ने जिस तरह पति की भी नहीं सुनी और बढ़-चढ़कर भाजपा को मतदान देते हुए सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सम्मानित किया उसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्र धर्म को पहला धर्म मानने वाले और इस दिशा में प्रयास करने वाले नरेंद्र मोदी को जाता है.

देश में अभी तक की स्थिति सभी जानते हैं. आज चाहे जल स्तर बढ़ने के लिए सरकारी प्रयास, बीगरों को घर देने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ हो समाज के हर वर्ग को देने का और सक्षम बनाने का जो प्रयास नरेंद्र मोदी द्वारा किया जा रहा है किसी भी राष्ट्र की प्रगति के लिए इस तरह का प्रयास अत्यधिक जरूरी है. १२ वर्ष तक गुजरात के मुख्यमंत्री के बाद प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करते समय भी नाते रिश्तेदारों को आर्थिक रूप से तारने का कार्य कभी नहीं किया. इतना ही नहीं तो उन्हें मिलने वाला वेतन भी उन्होंने राष्ट्र को समर्पित कर दिया. स्वार्थ भरे इस दौर में आज जहां व्यक्ति केवल लेने की मानसिकता रखता है ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा नेतृत्व निश्चित तौर पर ना तो देश को आज तक मिला था और ना कभी मिलेगा. एक भव्य कार्यक्रम में जब पत्रकार ने उनसे पूछा कि वह इतिहास में किस रूप में पहचान रखना पसंद करेंगे उन्होंने जो जवाब दिया वह जवाब निश्चित तौर पर न केवल सराहनीय बल्कि वे राष्ट्र धर्म को कितना महत्व देते हैं इसका जीवंत उदाहरण है. मोदी ने कहा कि सनातन धर्म और भारत का गौरव में इतिहास हजारों वर्ष पुराना है. भारत को विश्व महागुरु बनाने का उनका सपना है और वह चाहते हैं कि विकसित भारत और राम राज्य का भारत बने. देश महान बनने के बाद वे भी प्रधानमंत्री के रूप में निश्चित ही गौरवान्वित होंगे. व्यवस्था बनाने वाले ही जब व्यवस्था पर सवाल पैदा करते हैं तो खैरात होती है. भारत में एवं लाने वाली एवं सरकार आने पर इसे पारदर्शी बताने वाले लोग जब चुनाव हारने के बाद इस पर सवाल उठाते हैं तो निश्चित तौर पर दुख होता है.

बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा लिया।कैंपेन आर्थिक विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों आदि पर केंद्रित था, जिसे जनता ने काफी पसंद किया। लोकसभा में ही नहीं बल्कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनहितैषी नीतियों सराहना लोगों द्वारा करते हुए भाजपा को सबसे बड़ी पार्टी के रूप में इसका पुरस्कार भी दिया गया. मोदी ने राजनीति के बजाय सबका साथ, सबका विकास का जो घोषवाक्य बनाया और १० साल तक उसे पर कार्य किया, वह निश्चित ही सराहनीय है. प्रधानमंत्री आवास योजना में जिन लाखों लोगों को अपने हक का घर मिला है उन लोगों से पूछने पर यह पता चलेगा कि मोदी का कार्य कितना शानदार है.

उम्मीद है कि श्री मोदी का तीसरा कार्यकाल उनके पिछले कार्यकाल के दौरान रखी गई नींव पर आधारित होगा, जिसमें तकनीकी नवाचार, बुनियादी ढांचे के विकास और अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति पर नए सिरे से जोर दिया जाएगा, जिससे भारत एक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित होगा। अभूतपूर्व तीसरा कार्यकाल देश को अधिक समृद्धि और स्थिरता की और ले जाने का कार्य करेगी.

आजादी के बाद पैदा होने वाले पहले प्रधानमंत्री, श्री मोदी इससे पहले २०१४ से २०१९ और २०१९ से २०२४ तक भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। उन्हें अक्टूबर २००१ से मई २०१४ तक के अपने कार्यकाल के साथ गुजरात के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री होने का गौरव भी प्राप्त है।

सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वासफके आदर्श वाक्य से प्रेरित होकर, श्री मोदी ने शासन में एक आदर्श बदलाव की शुरुआत की है जिससे समावेशी, विकासोन्मुख और भ्रष्टाचार मुक्त शासन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। प्रधानमंत्री ने अंत्योदय के उद्देश्य को साकार करने और समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को सरकार की योजनाओं और पहल का लाभ सुनिश्चित करने के लिए स्पीड और स्केल पर काम किया है।

भारतीय जैन संगठन का देशभर में विस्तार करेंगे

साक्षात्कार में प्रस्तावित अध्यक्ष नंदकिशोर साखला ने बताया

महिलाओं के साथ युवकों की विंग समाज से राष्ट्र विकास में निभाएंगी की भूमिका

विदर्भ स्वाभिमान Exclusive

विदर्भ स्वाभिमान, २७ नवंबर

अमरावती-सर्व समाज और राष्ट्रहित को ध्यान में रखते हुए कई दशकों से कार्य करने वाले भारतीय जैन संगठन का राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार किया जाएगा. फिलहाल १६ राज्यों में संगठन सामाजिक, बालक शिक्षा और मूल्यवर्धन, जल क्रांति सहित अन्य सामाजिक कार्यों के लिए कार्यरत है. भारत के सभी राज्यों में संगठन को पहचाने और स्वसमाज के साथ सर्व समाज के उत्थान के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने का प्रयास किया जाएगा. इस आशय की बात नासिक निवासी और संगठन के जिलाध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए और पुणे के राष्ट्रीय अधिवेशन में यह नई जिम्मेदारी विश्वस्त सुदर्शन गांग से संभालने वाले नंदकिशोर साखला ने कही.

राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान को दिए विशेष साक्षात्कार में नंदकिशोर सांखला ने कहा कि उन्होंने संगठन में जिलाध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक का सफर किया है. यह भारत का एकमात्र ऐसा संगठन है, जिसने समाज के उत्थान के साथ हर समाज के लिए और पर्यावरण के क्षेत्र में बेहतरीन काम किया है. सामाजिक के साथ परिवार व्यवस्था, बच्चों को शिक्षित व संस्कारित करने पर सदैव कार्य किया है. व्यथाओं की कथा सुनाना हमारा काम नहीं रहने की बात कहते हुए उन्होंने कहा कि समाज में स्वीकार्य परिवार की दिशा में संगठन द्वारा पहल किया जाएगा. परिवार व्यवस्था समाज तथा राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण होती है, ऐसे में परिवार में पति-पत्नी के बीच तनाव और उसका बच्चों पर पड़ने वाला असर ही महत्वपूर्ण है. आगामी संकट से निपटने की दिशा में भी संगठन द्वारा प्रयास किया जा रहा है. सभी के लिए काम सहित अन्य सामाजिक समस्याओं का निराकरण करते हुए राष्ट्र के उत्थान में संगठन ने सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है. देश की समृद्धि के लिए सामाजिक मजबूती जरूरी होती है. पुणे में हो रहे अधिवेशन में आपस में प्रेम, समाज में प्रेम बढ़ाने के माध्यम से सामाजिक मजबूती पर साधक चर्चा होगी.

जैन समाज के साथ समय के साथ आ रही समस्याओं पर भी चर्चा की जाएगी. भारतीय जैन संगठन में ट्रस्ट मंडल में ७, राष्ट्रीय कार्यकारिणी परिषद २६, राज्य कार्यकारी परिषद में ३० से ३५ सदस्यों के साथी विभागीय संगठन और हर जिले में जिला अध्यक्ष सहित देश में फिलहाल ८०० चैप्टर हैं. संगठन को १००० शहरों में पहुंचाने का लक्ष्य तय किए जाने की जानकारी भी साखला ने दी.

महिला, युवाओं की विंग

महिलाओं को संगठन ने सदैव महत्व दिया है. संगठन की महिला विंग और युवा विंग भी अब समाज के साथ ही राष्ट्रीय उत्थान के कार्य में हाथ बटाएगी. वर्तमान युवक समाज, धर्म से दूर जा रहे हैं. ऐसे में युवाओं को समाज और धर्म के लिए तैयार करने का कार्य युवा विंग द्वारा किया जाएगा. मजबूत भारत के निर्माण को संगठन का उद्देश्य बताते हुए नंदकिशोर सांखला ने कहा कि सशक्त भारत के निर्माण को संगठन प्राथमिकता देता है. सुसंस्कृत व्यक्ति, सक्षम समाज और परिवार, सु समाज और समर्थ राष्ट्र को वे महत्व देते हैं. संगठन पहला ऐसा संगठन है जो समाज के साथ सभी समाज को साथ लेकर चलता है और मजबूत राष्ट्र के निर्माण के बारे में सदैव प्रयासरत रहा है. परिवार के हर सदस्य को सक्षम बनाने का प्रयास किया जाएगा. आधुनिकता के इस दौर में परिवार प्रभावित हुआ है. संयुक्त परिवार टूटने के बाद छोटा परिवार रहने के बाद भी शादी बनाना और इसे टिकाना कठिन हो गया है. संगठन स्तर पर विवाह पूर्व समुपदेशन के माध्यम से परिवार में खुशियां लाने की दिशा में प्रयास किया जाएगा. संगठन द्वारा माता को सम्मानित करने नेत्रदान,देहदान को महत्व देने वाले दिल्ली संगठन के कार्य को राष्ट्रीय अभियान के रूप में मंजूरी दी जाएगी. खिलौना बैंक जयपुर, मैसूर की बुक बैंक, जोधपुर की बीटूबी कार्यक्रम को राष्ट्रीय अभियान के रूप में अधिवेशन में मंजूरी देने की जानकारी भी सांखला ने दी. भारतीय जैन संगठन की ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता और पदाधिकारी होते हैं. इन कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा. इसके लिए संगठन द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण शिविर भी लिए जाएंगे.

BJS का संकल्प
सुसंस्कृत व्यक्ति | सक्षम कुटुंब | सुदृढ़ समाज | समर्थ राष्ट्र
NATIONAL CONVENTION
PUNE 2024

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

राष्ट्रीय अधिवेशन
पुणे को हमारी
हार्दिक शुभकामनाएँ!!

- शुभेच्छुक -
विदर्भ स्वाभिमान
तथा जय माता दी
मानस मंडल
परिवार

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

Bharatiya Jain Sanghatana
Cordially invites your esteemed presence
to grace the occasion of

NATIONAL CONVENTION 2024

A gathering of distinguished leaders,
luminaries, volunteers and thousands of community members
from across India for insightful discussion, reflection, and
sharing of ideas for the progress of our society

BJS NATIONAL CONVENTION PUNE 2024

Venue
Vardhaman Sanskrutik Bhavan
Shivraj Nagar, Ganga Dham, Bibwewadi, Pune

Date & Time
30th November 2024 – 09:00am to 6:30pm
1st December 2024 – 09:00am to 05:00pm

Shri. Shantilal Muttha – Founder, BJS
Shri. Prafulla Parakh – Ex National President, BJS
Shri. Rajendra Lunker – National President, BJS
Shri. Rajkumar Fattawat – National General Secretary, BJS
Shri. Nandkishor Sankhala – Designate National President, BJS
Ms. Komal Jain – Managing Director, BJS